उत्तर प्रदेश का पहला जनजातीय संग्रहालय

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राज्य संग्रहालय के निदेशक द्वारा बताया गया कि राज्य का पहला जनजातीय संग्रहालय मार्च 2022 तक पूरी तैयार हो जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा **'बलरामपुर' ज़िले के थारू प्रधान ग्राम 'इमलिया कोडर' में थारू जनजातीय संग्रहालय का निर्माण** किया जा रहा है।
- सरकार के अनुसार, इस संग्रहालय में थारू जनजाति के उद्विकास से लेकर उनकी संस्कृति, परंपराएँ, धर्म, जीवनशैली आदि सभी आयामों को प्रदर्शित किया जाएगा।
- **थारू जनजाति के लोगों को शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से लखीमपुर खीरी में एक महाविद्यालय स्थापित किया गया है।** साथ ही इनके विकास के लिये वर्ष 1980 में '**थारू विकास परियोजना**' प्रारंभ की गई थी।
- उल्लेखनीय है कि थारू जनजातीय समूह **उत्तर प्रदेश का तीसरा सबसे बड़ा जनजातीय समूह है।** इस जनजाति के लोग दीपावली को शोकपर्व के रूप में मनाते हैं। थारू जनजाति द्वारा 'बजहर' नामक पर्व मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त इनमें '**बदला विवाह**' भी प्रचलित है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/first-tribal-museum-of-uttar-pradesh